B - 3
L - 1

दिनांक
30/01/24

## अर्थव्यवस्था क्या है -

अर्थ व्यवस्था कोई भी एक भौगोलिक क्षेत्र होती है जिसमे उपलब्ध आर्थिक संसाधनो से वस्तुओ और सेवाओं का उत्पादन किया जाता है तथा उनका वितरण लोगो मे किया जाता है ताकि उनकी आवश्यकताएं पूरी किया जा सके।

अर्थव्यवस्था की अवधारणा को एक चित्र द्वारा समझाया जा सकता है -

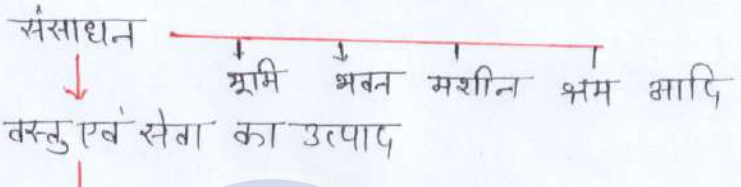


KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

### अर्थव्यवस्था के प्रकार

**Micro (व्यष्टि)**

किसी एक आर्थिक ऐजेन्ट का अध्ययन किया जाता है।

Ex - एक उपभोक्ता, एक उत्पादक आदि

**Macro (समष्टि)**

सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था का समग्र अध्ययन

Ex - GDP Employment, Inflation (मुद्रास्फीति) आदि।

# National Income & Product राष्ट्रीय आय और उत्पाद

प्रस्तावना :-

किसी भी देश मे उपलब्ध आर्थिक संसाधनों के उचित दोहन तथा लोगो को मिलने वाली आर्थिक कल्याण के बारे मे अनुमान लगाने के लिए राष्ट्रीय आय और उत्पाद का अध्ययन किया जाता है।

राष्ट्रीय आय और उत्पाद से जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण अवधारणाएँ :-

(i) GDP – Gross Domestic Product (सकल घरेलू उत्पाद)

एक देश की घरेलू सीमा मे एक वर्ष मे उत्पादित होने वाली सभी अन्तिम वस्तुओं और सेवाओं के बाजार मूल्यों के समग्र योग को GDP कहते हैं।

GDP की उपर्युक्त परिभाषा को आधार बनाते हुए इससे जुड़ी आवश्यक बातों को निम्न प्रकार से अभिव्यक्त किया जा सकता है –

(i) GDP मे केवल उसी उत्पादन को सम्मिलित किया जाता है जो देश की घरेलू सीमा के भीतर होता है भले ही उस उत्पादन मे किसी विदेशी साधन की भूमिका क्यों न रही हो।

(ii) GDP की गणना मे केवल अन्तिम वस्तुओं और सेवाओ को ही सम्मिलित किया जाता है दोहरी गणना से बचने के लिए ऐसा किया जाता है।

उदाहरण :- स्मार्ट फोन के मूल्य को सम्मिलित किया जायेगा न कि स्मार्ट फोन मे लगे पार्ट दोनो के मूल्य को।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
KHAN SIR

• यदि अन्तिम वस्तुओं और सेवाओं के बजाय सभी प्रकार की वस्तुओ और सेवाओ को सम्मिलित करना हो तो इसका एक विकल्प यह हो सकता है कि उत्पादन की अलग-अलग अवस्थाओं पर होने वाले मूल्य संवर्धन को आपस मे जोड़ लिया जाए।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR